समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास सितम्बर,2021

कक्षा 9 -10

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

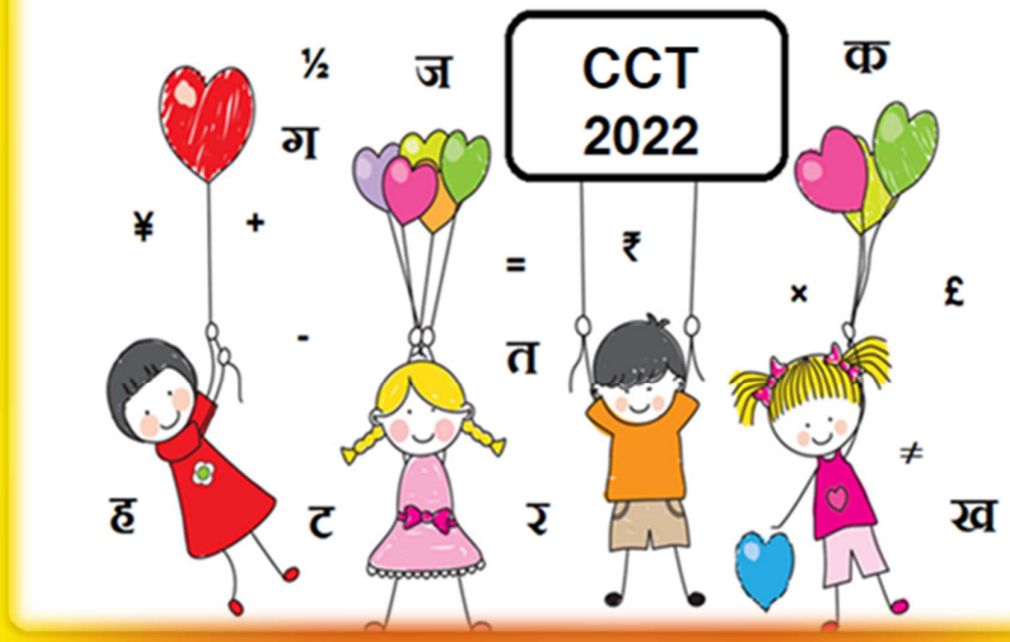

संकलित – राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्या श्रीमती रेणु पाठक, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रायपुर खुर्द, चंडीगढ़।

प्राचार्या श्रीमती रेणु गुप्ता, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मनीमाजरा, चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़।
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़।
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़।
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़।
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़।
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़।
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़।
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़।
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़।
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़।
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़।

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	कक्षा 9-10			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	कान	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	4
2	दावानल	Understand/ Reflect	पाठ्य पुस्तक	7

प्रतिमान- 1

पाठ्य पुस्तक : क्षितिज भाग - 2	कक्षा : 10वीं
प्रकार : निबंध	पाठ का नाम : कन्यादान
सीखने के प्रतिफल : 1001. अपने परिवेशगत अनुभवों पर अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय मौखिक एवं लिखित रूप में व्यक्त करते हैं। जैसे– मुस्कान आजकल चुप क्यों रहती है? मुस्कान को स्कूल में हम लाएँगे। 1006. रेडियो, टी.वी. या पत्र-पत्रिकाओ व अन्य श्रव्य-दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित, प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवंरचनाओ पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी/विश्लेषण करते हैं। 1015. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा/टिप्पणी करते हैं।	

उप विषय : कान

हमारे शरीर का कौन सा ऐसा अंग है जो दुनिया-जहान की आवाज़ हम तक पहुँचाता है? लेकिन क्या आपने कभी अपने कानों की आवाज भी सुनी है? यह भी कुछ कहते हैं, जब इनमें लगातार खुजली होने लगती है और कई बार खुजलाने के बाद भी आराम नहीं मिलता। कानों की इस तकलीफ की आवाज़ सुनिए, क्योंकि इसे अनसुना करने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।वैज्ञानिक दृष्टि से मानव कान के लिए एक निर्धारित ध्वनि सीमा (साउंड रेंज) 0-85 डेसीबल है। और इससे अधिक आवृति की ध्वनि सुनने से आपके कानों पर बुरा असर भी पड़ सकता है।

मानव व अन्य स्तनधारी प्राणियों में कर्ण या कान, श्रवण प्रणाली का मुख्य अंग है। कशेरुकी प्राणियों में मछली से लेकर मनुष्य तक कान जीव विज्ञान के रूप में समान होता है| सिर्फ उसकी संरचना गण और प्रजाति के अनुसार भिन्नता का प्रदर्शन करती है। कान वह अंग है जो ध्वनि का पता लगाता है, यह न केवल ध्वनि के लिए एक ग्राहक (रिसीवर) के रूप में कार्य करता है, अपितु शरीर के संतुलन और स्थिति के बोध में भी एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

इंसान के कान की बाहरी कर्ण नलिका बहुत संवेदनशील होती है| नतीजतन वातावरण में थोड़ा सा बदलाव होने पर भी कानों से खुजली हो सकती है। कान में पानी आना, सूजन, छूने से दर्द होना जैसी परेशानी भी होती है। इससे राहत के लिए कुछ नुस्खों को अपनाया जा सकता है। मसलन तैरने या नहाने के दौरान कानों में फंसे पानी को निकालने के लिए गुरुत्वाकर्षण का प्रयोग करें। जमीन के समानांतर प्रभावित कान के साथ अपने सिर के किनारे को झुकाएं। कान में एक साफ उंगली डालें और कान से निकलने वाले तरल पदार्थ को साफ करने के लिए तौलिए का इस्तेमाल करें।

कान छिदवाने से जुड़े वैज्ञानिक कारण :- कान छिदवाने की परंपरा भारत में काफी पुरानी है। इसके पीछे कई सारी मान्यताएं और रीति-रिवाज हैं, लेकिन अब भारत में ही नहीं और भी कई देशों में

लोग कान छिदवा रहे हैं। महिलाएं तो कान छिदवाती थीं, लेकिन अब फैशन के चक्कर में पुरुष भी इसे अपनाने लगे हैं। कान छिदवाने के पीछे हर किसी के अपने विचार है| कुछ लोग मानते हैं कि ये एक्युपंचर का विशेष बिंदु होता है, जिसका प्रयोग उपचार के महत्व से किया जाता है| वहीं कुछ का मानना है कि लोग सिर्फ सौंदर्य की दृष्टि से ही कानों को छिदवाते हैं। लेकिन यह सिर्फ परंपरा नहीं हैं बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं। जी हाँ, हिन्दूधर्म ही विश्व का एकमात्र ऐसा धर्म है जिसकी परंपराएं 'विज्ञान पर आधारित' हैं।हमारी हिंदी भाषा में कान पर अनेक मुहावरे भी हैं.

मानसिक क्षमता में वृद्धि - वैज्ञानिक दृष्टि के अनुसार कान छिदवाने से व्यक्ति के मस्तिष्क में रक्त संचार सही प्रकार से होता है और मस्तिष्क में रक्त का सही तरह से संचार होने से आपकी बौद्धिक योग्यता बढती है। इसीलिए पहले के समय में गुरुकुल में जाने वाले हर विद्यार्थी को कर्णछेदन करवाना पड़ता था| जिससे उसकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती थी और विद्यार्थी बेहतर ज्ञान की प्राप्ति करता था।

प्रश्न :

1. मनुष्य के कान की श्रवण शक्ति का सामान्य दायरा____ होता है?

2. ध्वनि की उच्चतम पिच को पहचानें:-

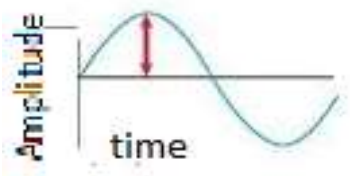

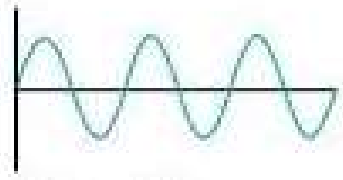

क) ख)

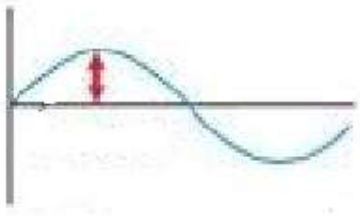

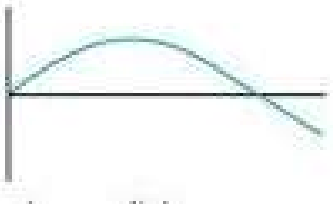

ग) घ)

3. भूचाल के आने से पहले कुछ जानवर जैसे कि राइनोसारस, कुत्ता आदि जोर-जोर से चीखने लगते हैं। उनके चीखने की ध्वनि तरंगों के उत्पादन को पहचानें:-

क) अपश्रव्य (Infrasonic)

ख) पराश्रव्य (Ultrasonic)

ग) श्रव्य (audible)

घ) कोई भी नहीं (None of these)

4. यदि तरंगों की गति 360 मीटर प्रति सेकंड है और आवृत्ति 1800 HZ है तो तरंगों की लंबाई होगी।

क) 20 मीटर ख) 0.2 मीटर

ग) 200 मीटर घ) 2 मीटर

5. कर्ण छेदन संस्कार के वैज्ञानिक महत्व को बताते हुए किसी अन्य संस्कार के विषय में अपने विचार प्रकट करें।

_____

_____

_____

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	रिक्त स्थान	सरल
2	मूल्यांकित एवं प्रतिबिंबित	बहुविकल्पीय	औसत
3	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
4	मूल्यांकित एवं प्रतिबिंबित	तार्किक	कठिन
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत

प्रतिमान- 2

पाठ्य पुस्तक : क्षितिज - 1	कक्षा : 9वीं
प्रकार : निबंध	पाठ का नाम : ल्हासा की ओर
सीखने के प्रतिफल : 903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं। 907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।	

उपविषय : दावानल

प्रकृति और पर्यावरण एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इनके परस्पर संतुलन के बिना जीवन पर संकट आना अवश्यंभावी है। इसी का एक उदाहरण हाल ही में देखने को मिला, जब ऑस्ट्रेलिया और अमेजन के जंगलों में भयंकर आग ने तबाही मचाई। इन दोनों स्थानों की भौगोलिक संरचना व तापमान में काफी विविधता है। एक अमेरिका महाद्वीप तो दूसरा ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के कारण वन्य प्रजातियों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। सिडनी विश्वविद्यालय की भूविज्ञान रिसर्च के अनुमान के अनुसार लगभग 48 करोड पशु-पक्षी व अन्य प्रजातियां आग में जलकर स्वाहा हो गए। कोआला

पर भी इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। जिस कारण एक अनुमान के अनुसार उनकी जनसंख्या लगभग आधी रह गई है। महीनों चलने वाली आग को बुझाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाए जा रहे हैं। आग के कारण राष्ट्रीय पशु कंगारू जान बचाने के लिए शहरों की ओर भाग रहे हैं। इस भीषण आग में 18 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 200 घर आग की चपेट में आकर जलकर राख हो चुके हैं। यह आग सिडनी तक पहुंच चुकी है जहां से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा चुका है। यहां के लोग आपात सेवा पर लगातार फोन करके सुविधा मांग रहे हैं। लोगों ने फोन करके आसमान में नारंगी रंग के धुएँ की परत होने की सूचना दी है। बीते कुछ समय से धुएँ ने दक्षिणी द्वीप के अधिकांश हिस्सों को ढक लिया है। जिससे सफेद हिमनद भूरे रंग के नजर आने लगी हैं। ऐसा ही भयंकर मंजर अमेज़ॉन के वर्षा वनों में भी देखने में आया है।

महीनों बाद भी यहां लगी आग बुझाई नहीं जा सकी है । इसका सबसे ज्यादा असर ब्राज़ील पर पड़ा है। यहां वातावरण में जहरीली गैसें फैल रही हैं। जिससे बड़ी तादाद में बच्चे बीमार हो चुके

हैं। उन्हें सांस में तकलीफ हो रही है। ब्राज़ील के सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान ऑस्वाल्डो क्रूज फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार इस से जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ गया है । यह आग कई लाख मील तक फैल चुकी है।

आग के कारण पूरे क्षेत्र में कार्बन मोनो ऑक्साइड, नाइट्रस डाइऑक्साइड जैसे प्रदूषण फैलाने वाले 2.5 पी.एम. के कण उत्सर्जित हो रहे हैं। जिनका सीधा असर जनसंख्या के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। जैसा कि हम जानते ही हैं अमेजॉन के वनों को पृथ्वी के फेफड़े कहा जाता है। जहाँ पूरी पृथ्वी की 20% से भी अधिक ऑक्सीजन उत्सर्जित होती है। दक्षिणी अमेरिका के 1.4 अरब एकड़ क्षेत्र वाले ये वर्षा वन ब्राजील समेत 9 देशों में फैले हैं। इनका 60% हिस्सा ब्राजील में है। यहाँ केवल सितंबर 2019 में ही लगभग 20,000 क्षेत्रों में आग लगी थी।

प्रश्न :

1. दावानल किसे कहते हैं?

क) पानी में लगी आग को　　ख) जंगल में लगी आग को

ग) घर में लगी आग को　　घ) कबाड़ में लगी आग को

2. धरती की फेफड़े किसे कहा गया है ?

क) ऑस्ट्रेलिया के जंगलों को　　ख) रूस के जंगलों को

ग) अमेजॉन के जंगलों को　　घ) भारत के जंगलों को

3. जंगल में लगने वाली आग से कई वन्य प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर आ गई है। पृथ्वी से कोई प्रजाति विलुप्त न हो उसके लिए हम क्या कर सकते हैं ?

_____

_____

4. गद्यांश के आधार पर बताएं कि जंगलों कें लगी आग का प्रभाव किन-किन स्थानों पर दृष्टिगोचर होता है ?

_____

_____

5. दावानल के लिए कौन-कौन से कारक जिम्मेदार हो सकते हैं ?

_____

_____

_____

<u>अध्यापक के लिए</u> :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
3	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तार्किक	सरल
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत